

नोट-सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्न अवतरणों में से किसी एक का ससंदर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए- 16
(क) तदनु स आगन्तुकः पुनः अश्वम् आरुह्य नायकम् अभाषत-महाशय!
यदा कदाचित् ईदृशः अवसरः आपतेत्, प्रधानसेनापतिः वाशिगटनः
स्मर्यताम्। स पुनरपि आगमिष्यति। स्वसेनापति वाशिगटनम्
अभिजानन् स नायकः लज्जितो भूत्वा क्षमाम् अयाचत्।
(ख) एकस्मिन् युद्धे सा युद्धं कुर्वती शत्रुभिः परिवेष्टिता अभवत्,
तस्याः द्वौ अपि पादौ छिन्नौ, सा दिव्याङ्गी अभवत्, परन्तु
वीराङ्गना विष्पला हतोत्साहा न अभवत्, तस्याः साहसं वीरताम्
उत्साहं च दृष्ट्वा खेलराजस्य मार्गनिर्देशकः अगस्त्यः तस्याम् एव
रात्रौ देवचिकित्सकौ अश्विनीकुमारौ आहूतवान्।
2. किसी एक श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए- 16
(क) सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात् न ब्रूयात् सत्यमप्रियम्।
प्रियं च नानृतं ब्रूयाद् एष धर्मः सनातनः॥
(ख) नगरे-नगरे ग्रामे-ग्रामे विलसतु संस्कृत-वाणी
सदने-सदने जन-जनवदने जयतु चिरं कल्याणी॥
3. किसी एक पाठ का सारांश हिन्दी में लिखिए- 10
(क) आदिकविः वाल्मीकिः (ख) वीराङ्गना विष्पला।
4. अपनी पाठ्य पुस्तक भाग-2 से याद किया कोई एक श्लोक लिखिए,
जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो। 8
5. निम्न में से किन्हीं तीन में रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :- 6
(क) उदारचरितानां तुकुटुम्बकम्।
(ख) एकस्मिन् युद्धे साशत्रुभिः परिवेष्टिता अभवत्।
(ग) निम्बतरुः न वक्ष्यसि।
(घ) प्रतिदिनम् दन्तधावनं स्नानां कुर्यात्।

6. किन्हीं चार शब्दों का संस्कृत वाक्यों में प्रयोग कीजिए :- 8
राजानं, असत्यं, नायकः, वायुयानस्य, पश्यन्ति।
7. किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए :- 8
(क) मनोहरस्य स्वभावः कीदृशः आसीत्?
(ख) माता पार्वती कं वृक्षं पुत्रवत् पालितवती?
(ग) बाल्मीकिः स्नातुं कुत्र अगच्छत्?
(घ) संस्कृतं कस्य साधकम् अस्ति?
(ङ) बन्धुत्वं बिना किं न सम्भवति?
8. (क) 'भानु' अथवा 'मति' शब्दों के तृतीया विभक्ति के सभी वचनों में रूप लिखिए। 6
(ख) 'वद्' अथवा 'कथ्' धातु के लट्लकार (वर्तमानकाल) के प्रथम पुरुष के सभी वचनों में रूप लिखिए। 6
9. निम्न शब्दों में सन्धि-विच्छेद कीजिए :- 8
धर्मचन्द्रश्च, द्वयोर्मध्ये, समुत्सुकानाम्, शुष्केन्धनम्।
10. किन्हीं चार वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए- 8
(क) सभी मनुष्यों का हृदय विशाल हो।
(ख) उसने पुनः युद्ध किया तथा शत्रुओं को जीत लिया।
(ग) महापुरुषों के चरित्र का अनुसरण करो।
(घ) मनोहर सरल और सत्यनिष्ठ था।
(ङ) प्रिय तथा सत्य बोलना चाहिए।